औद्योगिक परियोजनाओं के लिए लैंडबैंक बढ़ाना आवश्यक : योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, निवेशकों को अपनी परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि की आवश्यकता होगी। सभी विकास प्राधिकरणों इसके लिए अतिरिक्त प्रयास करें। ऐसी भूमि जो आवंटित है लेकिन उपयोग नहीं की जा रही है, उसे चिह्नित करें। बीमार इकाइयों की पहचान कर निर्णय लें। इंडस्ट्रियल क्लस्टर की कार्ययोजना को आगे बढ़ाया जाए। सभी विभाग का लक्ष्य पहले से ही तय है। संबंधित विभाग के मंत्री के साथ नियोजन विभाग हर माह समीक्षा करे। लक्ष्य की प्रगति की मुख्य सचिव स्तर पर हर सप्ताह एक सेक्टर की समीक्षा की जाए।

उन्होंने असंगठित क्षेत्र के सही आकलन के लिए जिला आय अनुमानों को और बेहतर ढंग से तैयार किए जाने का निर्देश दिया। बैठक में नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव और कंसल्टिंग एजेंसी डेलायट इंडिया ने प्रदेश के आर्थिक परिवेश की वर्तमान स्थिति, उद्योग जगत की अपेक्षाओं के संबंध में जानकारी दी।

जीएसडीपी में बड़ा उछाल, 25.48 लाख करोड़ पहुंची अर्थव्यवस्था: मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों के नियोजित प्रयासों से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था आज सार्वकालिक सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है। 2020-21 में प्रदेश की कुल राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 16.45 लाख करोड़ थी जो 2023-24 में 25.48 लाख करोड़ से अधिक हो गई है। राष्ट्रीय आय में उत्तर प्रदेश 9.2 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। उत्तर प्रदेश आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है।

धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, काशी, प्रयागराज, नैमिषारण्य इसके महत्वपूर्ण केंद्र हैं। बीते सात वर्षों में यहां बड़ा परिवर्तन हुआ है। अगले वर्ष प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन है। करोड़ों लोगों का आगमन होगा। यह पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बड़ा असर डालने वाला होगा। इस पर अध्ययन होना चाहिए। घरेलू पर्यटकों के साथ-साथ हमें विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनानी होगी।

बैठक के अन्य बिंदु

- सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में हुए 12.7 लाख करोड़ के एमओयू, इंडस्ट्रियल पावर की खपत में 6.8 प्रतिशत की हुई वृद्धि
- नए इंडस्ट्रियल कारिडोर की हो रही स्थापना, 44 नई टाउनशिप पर कार्य शुरू
- होटल-रेस्टोरेंट, ट्रांसपोर्ट, संचार, रियल एस्टेट, लोक सेवा, रक्षा वाले सेवा क्षेत्र में तेजी से हो रही ग्रोथ
- बीते एक वर्ष में कामर्शियल वाहनों में 36.7 प्रतिशत की हुई वृद्धि। देश में कुल पंजीकृत वाहनों में प्रदेश की हिस्सेदारी 12.7 प्रतिशत पहुंची
- बेरोजगारी दर 2017-18 में 6.2 प्रतिशत थी, अब घटकर 2.4 प्रतिशत रह गई
- वर्ष 2023-24 में दलहन उत्पादन में 9.2 प्रतिशत, मूंगफली उत्पादन में 28.8 प्रतिशत और दुग्ध उत्पादन में 11.92 प्रतिशत की हुई वृद्धि